Late.Ramesh Warpudkar (ACS) College Sonpeth
Dist. Parbhani

INAUGRAL SESSION

उदघाटन सत्र का सार

Interdisciblnary ICSSR Sponsored one day national Seminar on

INDIAN SOCIETY AND IDEPLOGY OF DISABILITY

Organized by

Late Ramesh Warpudkar ACS College Sonpeth, Dist.Parbhani

05th Oct 2019

INAUGRAL SESSION

कै.रमेश वरपुडकर महाविद्यालय सोनपेठ ICSSR पुरुस्कृत व्दारा आयोजित एक दिवसीय अंतर्विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का उदघाटन दि.०५ अक्तु २०१९ प्रातः १०.३० को कै.रमेश वरपुडकर महाविद्यालय के सांस्कृतिक सभागार में संपन्न हुआ! उदघाटन समारोह के उदघाटक के रुप में स्वा.रा.ती.म.विश्वविद्यालय के प्र कुलपती डॉ.जोगेंद्रसिंह बिसेनजी मौजुद थे, तो अध्यक्ष के रुप में भूतपुर्व विधायक मा.श्री.व्यंकटरावजी कदम मौजुद थे, विशेष अतिथी के रुप में संस्थाध्यक्ष मा.श्री.परमेश्वररावजी कदम, प्रधानाचार्य डॉ.वसंत सातपुते, प्रा.डॉ.महेंद्रकुमार ठाकुरदास जेष्ट हिन्दीं साहित्यिक उपस्थित थे साथ ही प्रा.आसाराम लोमटे, प्रा.डॉ.वडचकर शिवाजी संयोजक के रुप में उपस्थित थे उदघाटक समारोह में प्र.कुलपती जोगेंद्रसिंह बीसेनजी ने विकलांगता का स्वरुप अत्यंत व्यापक है. इसी व्यापकतामें भारतीय साहित्य विकलांगता को लेकर बहुत प्राचीन काल से विचार करने लगा है! प्राचीन काल में मनुष्य कहीं आग में झुलसकर तो कंही पशुओं का शिकार होकर विकलांग बन जाते थे! मनुष्य ने अपने बुध्दि के बलपर अनेकों नये नये साधन जुटाये है, फिर भी विकलांगता की समस्या पर वह विजय नही पा सका है! विकलांगता लोक आज भी शारीरीक, आर्थिक और सामाजिक यातना को भोग रहे है!

Late Ramesh Warpudkar (ACS) College, Sonpeth Dist. Parbhani

विश्व की कुल आबादी के लगभग २५ प्रतिशत लोग विकलांगता की समस्या से बाधित है विकलांगता के पिछे अनेकों कारण है इनमें युध्द, अनेकों बीमारिंया और महामारिया,बढती आबादी, प्राचीन धारणाऐ, संसाधनो का अभाव मनुष्य की भागदोड, सुरक्षा उपयोंका अभाव, मशीनो का प्रयोग, वाहनो की बढती संख्या, प्रकृती के साथ अन्याय, भूस्सखलन, भुचाल, अतिवृष्टी दवाओं का अतिरिक्त प्रयोग, लापरवाही बढता शहरी करण गरीबी आदि अनेकानेक कारणोंसे विकलांगता की समस्या राक्षस बनकर हमारे सामने खडी है. उदघाटन समारोह के अध्यक्षीय भाषण में मा.श्री.व्यंकटरावजी कदम साहाब ने प्राचीन काल में विकलांग व्यक्तियों का काफी बुरा हाल रहा है. परंतु वर्तमान समाज के लिए एक बहुत बडी समस्या है! इसे आज चुनौति के रुपमें स्विकार करके निदान के लिए विभिन्न प्रकार के उपया योजनाऔं का प्रयोग किया जा सकता है! आज चिकित्सा के क्षेत्रोंमें अत्याधुनिक अविष्कारों के कारण विकलांगता की यह विडंबना है कि उसे तिरस्कृत, अपमानित, उपेक्षित, हास्य या समाज का अपात्र प्रमाणित किया जाता है ! उसे समाज की मुख्य धारा से जोडने के बजाय उसे अपमानित करने का प्रयास किया जाता है! विकलांग के प्रति सामाजिक नकारत्मकता के रवयों को विदवत साहित्यकारों की लेखनी के माध्यमसे परिवर्तित किया जा सकता है! विकलांगो के आत्मविश्वास को और आत्मनिर्भरता को बढालेवाली रचनाओं का सृजनकर उने आत्मसन्मान दिया जा सकता है ऐसा अपना मंतव्य व्यक्त किया! इस समारोह का प्रस्ताविक संयोजक प्रा.डॉ. वडचकर शिवाजी ने किया सुत्रसंचालक डॉ.मुक्ता सोमवंशी, प्रा.सखाराम कदम ने किया आभार ज्ञापन डॉ.वनिता कुलकर्णी ने किया.

बीजभाषन

व्दितीय गोष्ठीमें बीजभाषण हुआ गोष्टी १२.०० से ०१.३० तक चली इस गोष्टी के लिए बीजवक्ता के रुपमें डॉ.महेन्द्रकुमार ठाकुरदास जेष्ठ हिन्दीं साहित्यीक पुणे मौजुद थे! बीजवक्ता डॉ.ठाकुरदासजीने विकलांग को देखने की प्राचीन दृष्टी और आधुनिक दृष्टी मे भी बहुत अंतर है! मनुष्य शरीर में ऑख,कान,नाक,त्वचा,जिव्हा, हाथ और पैर ये सात भोग साधन है इन्ही के सहारों पर मानव संसार के साथ लेन देन करता है! अपना ताल

मेल बैठता है चार पुरुषार्थ धर्म, अर्थ, काम मोक्ष, की प्राप्ती करता है इन अवयवों को कार्यक्षम बनाये रखने के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता है आप तेजस्वी हो बलवानहो,

"विर्यवान हो मुझे भी सब देदो,

तेजो दसि तेजो मयि देहि"

विकलांगता के कई प्रकार होते है पर हिन्दी काव्य साहित्यमे विकलांगता दिव्यांगता को लेकर स्वतंत्र रुपसे चर्चा नही है! किसी प्रसंग या कथा की आवश्यकता होने पर ही विकलांगता की बात की जाती है! वह भी बहुत हल्के ढंगसे विकलांगता एक तरह से उपेक्षित तिरस्कृत विषय रहा है! विकलांगों की उपेक्षा उपहास की मानसिकता नये रुप में आधुनिक भारतीय साहित्यमें आई है! कालानुरुप रासो काव्य से लेकर आधुनिक काल के लिलाधर मंडलोई सटीक प्रतिक व्दारा अपने संघर्ष और अस्तित्व को दर्शाने तक का पिरचय करवाया!

अध्यक्षीय समारोप डॉ.सतीशजी यादव ने विकलांगों के प्रति सृजन साहित्यकांरो के साथ साथ भारतीय लोगों की! मानसिकता को जरुरी कहते हुए. विकलांगो के प्रति आदर का भाव जागृत होने की जरुरत महसूस की! दिव्यांग भी एक मानव ही है उसे भी मानवीय ढंगसे जीवन जीना अच्छा लगता है! उसे जीने दो दिव्यांगता को लेकर अपना ज्ञापन गलत सोच ही हमारे भारतीयों की लगी मानसिक विकलांगता है! ऐसे विचार व्यक्त किये. इस सत्र का आभार ज्ञापन प्रा.डॉ.शिवाजी वडचकर ने किया!

तृतीय गोष्टी

शोधआलेख वाचन

अंर्तविषयक एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी के लिए, महाराष्ट,उत्तरमहाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, केरल आदि प्रांतोसे शोधालेख प्रचुरमात्रा में प्राप्त हुये उन्ही शोधालेखे मेंसे चुनिंदा शोधआलेख का वाचन उस गोष्टी के विषय प्रर्वतक डॉ. रेविता कावळे बहीर्जी स्मारक महाविद्यालय वसमत और गोष्टी के अध्यक्ष डॉ.प्रकाशजी खुळे वसंत महाविद्यालय केज के रुप में उपस्थित थे.

इस सत्र में डॉ. रेविता कावळे ने अपने मतंव्यमें मनुष्य समाज के साथ जुडा हुआ रहता है! वह अंर्तमन परबाहरी परिवेश का काफी प्रभाशील रहता है. वह जन्म से लेकर

Dist. Parbhani

मृत्यु तक समाज के साथ जुडा हुआ रहता है. फिर वह मानव सकलांग हो अथवा विकलांग उसके मन पटलपर बाहरी परिवेश का प्रभाव एंव प्रतिक्रियाओं का बहूत असर होता है! केवल शरीरिक विकास से ही उसका चारित्रीक विकास नहीं होता बल्की समाज के साथ जुडे रहने से उसका मानसिक भावनिक और बौध्दीक विकास होता है. इसीलिए विकलागों को समाज में सम्मान आदर और प्रतिष्ठा मिलती चाहिए. विकलांगता को अभिषाप न मानकर एक विशेष वरदान के रुपमें देखने का दृष्टिकोन अपनाना चाहिए.

अध्यक्षीय समारोप में डॉ.वसंतजी खुळे ने विकलांगता मानसिक हो अथवा शारीरिक व्यक्तिगत विकास के लिए असंतुलन निर्माण करती है. मानसिक दृष्टीसे विकलांग अपनी भावनाओं पर काबु नहीं कर पाता है. विकलांग व्यक्ति समाज के लिए भी एक प्रतिमान स्थापित कर सकता है. इस तरह से अपना मंतव्य व्यक्त किया.

चतुर्थ गोष्टी

अंर्तविषयक एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी के चतुर्थ गोष्टीके विषय प्रवर्तक डॉ. सुरजितसींह परिहार ज्ञानोपासक महाविद्यालय जिंतूर ने विषय प्रवर्तक के रुप में विकलांगो की सामाजिक स्वीकार्यतापर अधिक ध्यान दिया विकलांगों का पुनर्सन विकलांगों की यातनाएँ उनके लिए समाज में सुयोग्य वातावरण निर्माण करना अत्यंत जरुरी है. यानी सिर्फ रैम्प बनाना, बैठने के लिए अलग सी व्यवस्था करना जैसे प्रयासों के साथ साथ उनमें आत्मविश्वास जागकर वे सर उठाकर चल सकें.

अध्यक्षीय समारोप डॉ.सतीशजी यादवने किया विकलांग ता से व्यक्ति शारीरिक यातनाओंके अतिरिक्त मनोवेज्ञानिक और सामाजिक यातनाओंसे भी त्रस्त रहता है लेकिन विकलांगो ने किसी भी प्रकार की विकलांगता का सामना एक साधारण चुनौती के रुप में करना चाहिए. विकलांगो को समस्याओं का सामना करने के लिए समाज के अन्य जो सकलांग है! उन्होने प्रेरित करना चाहिए. या तो सामन्य लोग और विकलांग लोगों में सम्मानजनक समन्वय होना चाहिए. वास्तवमें विकलांगता अधिकतर परिस्थितियों पर निर्भर होती है. अगर परिस्थितीयों को अनुकूल बनाया जायेगा तो विकलांग व्यक्तियों को कामयाब होनेसे कोई नहीं रोक सकेंगा. परिस्थितियों पर मात कर विकलांग लोगों को

कार्य करना चाहिए. साथ ही साथ सामाजिक व्यवस्था कोभी अनुकूल बनाया जायेगी. समाज में विकलांगो की भी अच्छी भागीदारी निश्चित हो जायेगी.

पंचम गोष्टी
समापन समारोह

इस गोष्टी के लिए अध्यक्ष के रुप में संस्था की उपाध्यक्षा मा.सौ.जोतिताई कदम उपस्थित थी. इसमें उन्होंने शोधालेख कर्ताओं को धन्यवाद देकर प्रमाणपत्रों का वाटप किया. संगोष्टी के बारे में विचार व्यक्त करने के लिए डॉ.शिवाजी वैद्य, डॉ.नरसिंगदास बंग, डॉ.दत्तु शेवाळे, आदि प्रतिभागीयों ने हिस्सा लिया.

विशेष मार्गदर्शक के रुप में डॉ.वसंतजी सातपुते ने विकलांगता यह पूरी चिंता का विषय है. विकलांगों को समाज में उच्चित सम्मान मिलना चाहिए. उन्ही पर होनेवाले अत्याचार देखने का दृष्टीकोन बदलना चाहिए. यह अब हमने करना आवश्यक है. तो अध्यक्षीय समारोप में मा.सौ.ज्योतीताई कदमने विकलांग से जुडी कहानिंया आज बहुत मात्रा में दिखायी देती है. विकलांगो की आर्थिक, पारिवारीक, सामाजिक, आदि समस्याओं को साहित्यकारोंने दया सहानुभूति, करुणा, स्नेह और सेवा भाव को व्यक्त कर लोंगो को भी प्रेरित किया है. यह साहित्य विकलांगों मे स्वाभिमान ही नही जगाती बल्की उत्साह, प्रेरणा तथा जिजीविषा प्रदान करते हुए उन्नति का पथ प्रशस्त करता है. इस गोष्टी का सुत्रसंचालन डॉ.अविनाश कांसाडे ने किया. आभार ज्ञापन डॉ.वनिता कुलकर्णी ने किया!

डॉ. वडचकर एस.ए.
समन्वयक

PRINCIPAL
Late Ramesh Warpudkar (ACS)
College, Sonpeth Dist. Parbhani

Late. Ramesh Warpudkar (ACS) College, Sonpeth
Dist. Parbhani

"भारतीय समाज और विकलांग (दिव्यांग) विमर्श" राष्ट्रीय संगोष्ठी मे दिपप्रज्वलन करते वक्त प्र.कुलपती डॉ.जोगेंद्रसिंह बिसेन (स्वा.रा.ती.म.वि.नांदेड) अन्य अतिथीमें ह. शि.प्र.म.के अध्यक्ष मा.परमेश्वरजी कदम भूतपूर्व विधायक मा.श्री.व्यंकटरावजी कदम, डॉ.वसंतजी सातपुते और बीजवक्ता डॉ.ठाकुरदास एम.बी.

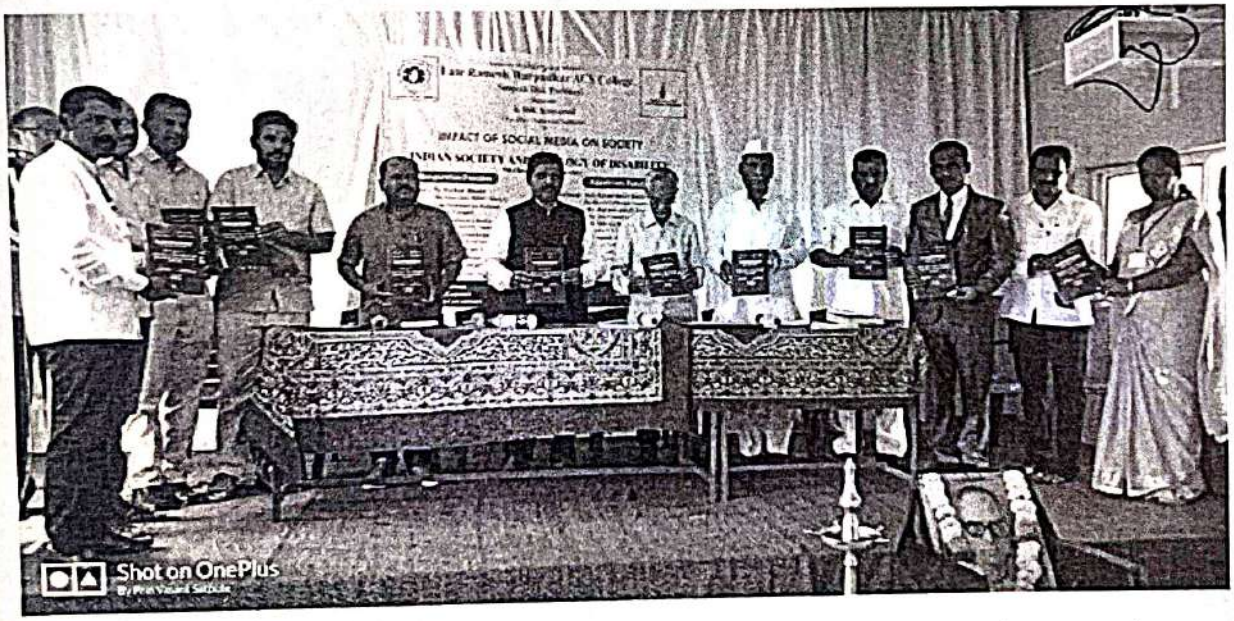

"भारतीय समाज और विकलांग विमर्श" संगोष्ठी स्मारिका का विमोचन करते हुए

PRINCIPAL
Late Ramesh Warpudkar (ACS)
Sonpeth Dist. Parbhani

"भारतीय समाज और विकलांग (दिव्यांग) विमर्श" संगोष्ठी उदघाटन समारोह में प्रस्ताविक करते हुए प्रधानाचार्य डॉ.वसंतजी सातपुते तिथि ०५ अक्तु २०१९

"भारतीय समाज और विकलांग विमर्श" के राष्ट्रीय संगोष्ठी के उदघाटक के रुप मे स्वा.रा.ती.म.के.प्र.कुलगुरु डॉ.जोगेंद्रसिंहजी बिसेन

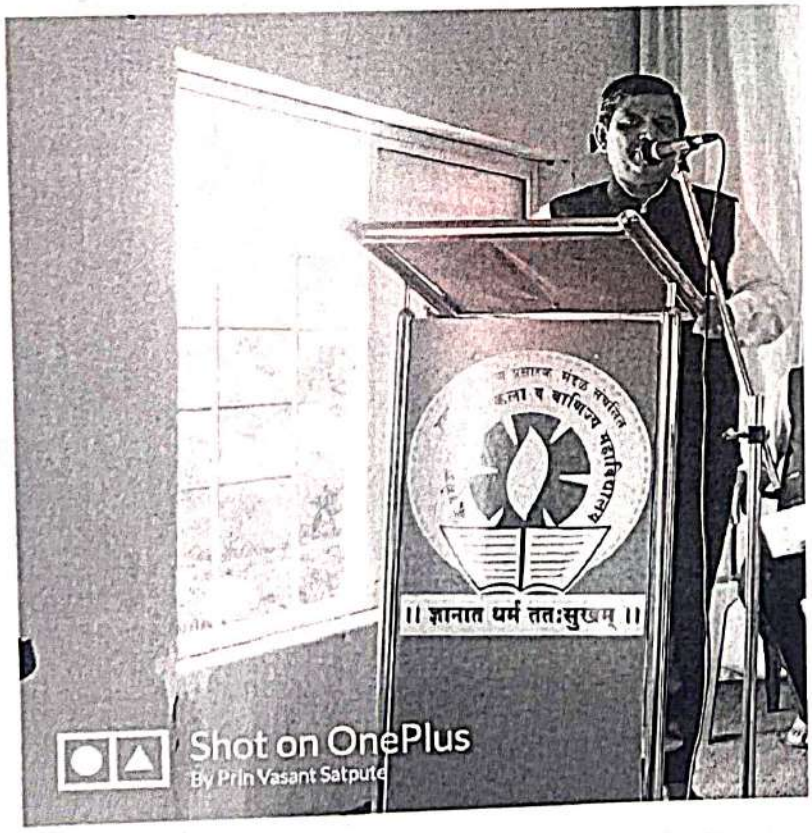

Late. Ramesh Warpudkar (ACS) College, Sonpeth Dist. Parbhani

"भारतीय समाज और विकलांग विमर्श" राष्ट्रीय संगोष्ठी मे विकलांग छात्र के पालक को कॉलेज युनिफार्म प्रदान किया गया डॉ.रेविता कावले और विचार मंच

"भारतीय समाज और विकलांग विमर्श" के बीजवक्ता डॉ.ठाकुरदास एम.बी. का स्वागत करते हुए संयोजक डॉ.वडचकर एस.ए.

PRINCIPAL
Late Ramesh Warpudkar (ACS)
College, Sonpeth Dist. Parbhani

Late Ramesh Warpudkar (ACS) College, Sonpeth
Dist. Parbhani

"भारतीय समाज और विकलांग विमर्श" बीजभाषण सत्र के अध्यक्ष डॉ.सतिशजी यादव का स्वागत करते हुए संयोजक डॉ.वडचकर एस.ए

"भारतीय समाज और विकलांग विमर्श" राष्ट्रीय संगोष्ठी में बीजभाषक डॉ.ठाकुरदास एम.बी.और विचारमंच

PRINCIPAL
Late Ramesh Warpudkar (ACS)
College, Sonpeth Dist. Parbhani

Late. Ramesh Warpudkar (ACS) College, Sonpeth
Dist. Parbhani

"भारतीय समाज और विकलांग विमर्श" तृतीय गोष्टी का अध्यक्षीय समारोप करते हुए डॉ.रेविता कावले

"भारतीय समाज और विकलांग विमर्श" चतुर्थ गोष्ठी के विषय प्रवर्तक डॉ.सुरजितसींह परिहार

PRINCIPAL
Late Ramesh Warpudkar (ACS)
College, Sonpeth Dist. Parbhani

Late Ramesh Warpudkar (ACS) College, Sonpeth Dist. Parbhani

चतुर्थ गोष्ठी का अध्यक्षीय समारोप करते वक्त डॉ.सतिशजी यादव

"भारतीय समाज और विकलांग विमर्श" राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन समारोह में मा. सौ.ज्योतीताई कदम का स्वागत करते हुए डॉ.वनिता कुलकर्णी

PRINCIPAL
Late Ramesh Warpudker (ACS)
College, Sonpeth Dist. Parbhani

ONE DAY INTERDISCIPLINARY NATIONAL SEMINAR ON

INDIAN SOCIETY AND IDEOLOGY OF DISABILITY

भारतीय समाज और विकलांग विमर्श

Jointly organized by

Indian Council of Social Science Research (ICSSR) and

Department of Hindi, Late Ramesh Warpudkar ACS College, Sonpeth, Dist. Parbhani- 431516

on 5th October, 2019

Certificate

This is to certify that Mr./Mrs./Ms./Dr. _____

_____

participated in ICSSR sponsored One Day Interdisciplinary National Seminar on 'Indian Society and Ideology of Disability'

His /Her role was as a participant / invited lecturer / chair person / organizing committee member.

The topic of his/her lecture / paper was - _____

Dr. S. A. Wadchkar	**Dr. V. B. Kulkarni**	**Dr. A. K. Jadhav**	**Dr. V. D. Satpute**
Convener	*Co-Convener*	*Co-Convener*	*Principal & Chief Organizer*

पंजीयन प्रक्रिया

* संगोष्ठी में विकलांग, सामान्य छात्र, शिक्षक, सामाजिक संस्था है प्रतिभागी हो सकते हैं ।
* स्थल पंजीयन करानेवाले प्रतिभागीयों को पंजीयन १०० रु. अधिक रहेगा ।
* प्रतिभागी अध्यापकों के लिए पंजीयन शुल्क ८०० रु. ऑनलाईन एवं चालान द्वाराजमा करने हेतु
  महाराष्ट्र ग्रामीण बँक शाखा : सोनपेठ जि.परभणी.
  IFSC : MAHG0004260
  Ac No : 54260028074
  डॉ. वडचकर शिवाजी के नाम पर दर्ज कर सकते हो
* शोधछात्र को ६०० रु. पंजीयन शुल्क अनिवार्य है.
* दिव्यांग अध्यापकों के लिए केवल प्रकाशन शुल्क ५०० रु.

पंजीयन प्रपत्र

नाम : _____

पदनाम : _____ लिंग : _____

विकलांग है, तो विकलांगता का प्रकार/स्वरुप

ई-मेल : _____

मोबाईल नं : _____

भुगतान की राशी रु. में :

भुगतान का माध्यम (नगद/ड्रिड्रॉल/आर.टी.जी.एस/ऑनलाईन)

रसीद्र क्रं : _____ ड्राक्ट क्रं : _____

बैंकका नाम : _____ तिथी : _____

हस्ताक्षर :

मार्गदर्शक

डॉ. रावसाहेब जाधव, डॉ. बालाजी भुरे, डॉ. रमेश कुरे डॉ. शेखरजी घुंगरवार, डॉ. प्रकाश खुळे, डॉ. मुरलीधर तहाडे, डॉ. सुधिर वाघ, डॉ. कांचनमाला बाहेती, डॉ. अर्चना पत्की, डॉ. बायजा कोटुळे, डॉ. अविनाश कासांडे, डॉ. शिवाजी वैद्य, डॉ. के. के. जाधव, डॉ. नरसिंगदास बंग, डॉ. खेडेकर एम.यु., प्रा.विद्या खाडे प्रा. भेंडेकर एन.एस, डॉ. माधव पाटील, डॉ. संगिता लोमटे, प्रा. विनायक कापावार

पंजीकरण

प्रातः ८.३० से ९.३० तक.
प्रतिभागी शुल्क : स्थल पंजीयन ९०० रु.
शोधार्थी : ८०० रु., दिव्यांग : ५०० रु.

संपर्क

डॉ. शिवाजी वडचकर 8983848788
डॉ. वनिता कुलकर्णी 9423138878
डॉ. अशोक जाधव 9011978206

संयोजक समिती

प्राध्यापक एवं शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी वृंद
कै. रमेश वरपुडकर महाविद्यालय, सोनपेठ
जि. परभणी

स्थान

कै. रमेश वरपुडकर महाविद्यालय, सोनपेठ
जि.परभणी

Indian Council of Social Science Research

हनुमान शिक्षण प्रसारक मंडळ संचलित

कै. रमेश वरपुडकर कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय

NAAC ACCREDITED WITH GRADE-B

सोनपेठ जि. परभणी (महाराष्ट्र) ४३१५१८

Indian Councial of Social Science Research, Mumbai

तथा

हिन्दी विभाग (कै.र.व.म.सो)

द्वारा आयोजित

एक दिवसीय अंतर्विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ०५ अक्तुबर २०१९

* **भारतीय समाज और विकलांग (दिव्यांग) विमर्श**
* **"Indian Society & Idedology of Disability"**

सेवा में,
प्रधानाचार्य / विभागाध्यक्ष
_____
_____

प्रेषक :
डॉ. वसंत सातपूते
प्रधानाचार्य
_____

संयोजक :
प्रा.डॉ. शिवाजी वडचकर
हिंन्दी विभाग
_____

सहसंयोजक :
डॉ. वनिता कुलकर्णी **डॉ. अशोक जाधव**

About College :

It is our privilege to give a brief history of Late Ramesh Warpudkar ACS College Sonpeth, Dist. Parbhani.This college has been in the service of the vicinity for last two decades. Our visionary leader Late **RajabhauDadarao Kadam**, the founder President of Hanuman ShikshanPrasarak Mandal, Sonpeth, had a dream that the people of this ruralregion should get higher education with open access &irrespective of caste,colour, creed and religion. This college was started in 1994 to cater the needs of rural youths. The vision of the Institute is '*Reaching to the Unreached*'.It offers Arts, Commerce and Science faculty. We have the Study Centers of B.A. and B.Com., YCMOUniversity Nashik and M. A. in Eight subjects under Distance Education Department of SRTM University, Nanded. The dream of the founder presidentcomes true,since we have K.G. to P.G. courses in this campus.The town Sonpeth literally means a store of gold. It was also the Taluka Place under the reign of Nizam state. It is situated on the banks of river *Godavari* and it is 20 kms away from the Parli-Vaidnath, one of the Jyotirlinga. This year we are celebrating the 25th Year i.e. Silver Jubilee of the establishment of the college. The travel of the institution from 1994 to 2019 had been difficult and most challenging in the initial phase of the college. Today, the college has its own campus running classes from KG to PG. The college has successfully gone through the NAAC process and secured grade 'B' in March 2015. This year again we are preparing for second cycle of NAAC and celebrating a well the 'Silver Jubilee' of the college by organizing various novel activities in and off the college campus. This seminar is also the part of the celebration of this occasion. The college welcomes all the delegates participating in this seminar.

संगोष्ठी के विषय

हमारा संविधान विकलांगो को स्वतंत्रता, समानता और न्याय के संबंध में स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है किंतु वास्तविक स्थिति में देखा जाए तो सामाजिक, सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक कारणों के कारण विकलांगो को आज भी समाज में समानता का नही, व्यवहार का नहीं बल्कि उपेक्षा का शिकार होना पडता है । दिव्यांगो के प्रति सामान्यवर्ग उपेक्षित व्यवहार, सामाजिक अस्वीकार्यता रुढिवादी धारणाओं के कारण विकलांगो की क्षमता व कौशल का सही उपयोग व मुल्यांकन नहीं हो पाता और वे खुद को अन्य वर्ग से अलग मानकर हीन भावना का शिकार समझते है । विकलांगता को समझने व सामान्य जन के साथ परिवेश में समावेश करने हेतु हमें प्रतिदिन दिव्यांगो से संबंधित नवीन अवधारणाओं को समझने व क्रियाशील बनने की जरुरत हैं । ताकि पुरानी विचारधाराएँ नकारात्मक मनोभाव व अनुभव प्रकट न हो सके ।

एक दिवसीय अंतर्विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य केंद्र बिंदू विकलांगो के सामाजिक स्वीकार्यता दिलाने के पक्ष में उठाए जानेवाले महत्वपुर्ण कदम, दिव्यांगो के अधिकार एवं अधिकारों की प्राती में आनेवाली चुनौतियाँ उनके संघर्ष तथा उपलब्धियाँ । अनके पुर्नवास में शिक्षा तथा सरकारी योजनाओं की भूमिका तकनीक का उनके जीवन में योगदान तथा अपराध जगत में उनका इस्तेमाल संबंधी महत्वपुर्ण बिंदूओं पर विशेषजनों से नवीन ज्ञान प्राप्त करना तथा उनके क्रियान्वयन से समाज की भुमिका तयार करने का प्रयास होगा ।

* सोनपेठ तहसील यह परली बैजनाथ से २३ कि.मी. उत्तर की ओर
* पाथरी से दक्षिण की ओर ३२ कि.मी.
* गंगाखेड से पश्चिम की ओर ३८ कि.मी. सिरसाला से पूरब की ओर १३ कि.मी. पर स्थित है ।

संगोष्ठी की विषय वस्तू

१. विकलांगो के प्रकार
२. विकलांगत एवं अपराध
३. विकलांगत एवं प्रजातंत्र
४. विकलांगो का पूर्नवास
५. विकलांगो की सामाजिक स्वीकार्यता
६. विकलांगता और सिनेमा
७. विकलांगो में तकनी की योगदान
८. विकलांगता चिकित्सा एवं उपचार
९. विकलांगता और साहित्य
१०. विकलांग और कानून
११. भारतिय समाज और विकलांग
१२. विकलांगता और खेलकुद

उद्घाटन समारोह

प्रात : १०.०० से ११.३० बजे तक

: उद्घाटनकर्ता :
मा.डॉ. उध्दवजी भोसले
कुलपती, स्वा.रा..ती.म.वि.नांदेड

: अध्यक्ष :
मा.श्री. शंकटरावजी कदम
(भूतपूर्व विधायक)

: बीज वक्ता :
डॉ. महेन्द्रकुमार ठाकुरदास
जेष्ठ हिन्दी साहित्यिक, पुणे

: विशेष अतिथि :
मा.श्री. परमेश्वर जी कदम
अध्यक्ष हनुमान शिक्षण प्रसारक मंडळ संचलित, सोनपेठ

: प्रधानाचार्य :
मा.श्री. वसंतजी सातपुते

: संजोजक :
प्रा.डॉ. शिवाजी वडचकर

समारोप समारोह

: अध्यक्ष :
मा.श्री. परमेश्वरजी कदम
अध्यक्ष हनुमान शिक्षण प्रसारक मंडळ संचलित, सोनपेठ

: मुख्य अतिथि :
मा.डॉ. जोगेंद्रसिंहजी बिसेन
प्र. कुलपती स्वा.रा.ती.म.वि.नांदेड

: विशेष अतिथि :
डॉ. सतिशजी आरबाड (म.वि.स.सदस्य)
डॉ. वसंतजी सातपुते (प्रधानाचार्य)

Late Ramesh Warpudkar Arts, Commerce & Science College, Sonpeth Dist. Parbhani

ICSSR, Sponsored One Day National Level Interdisciplinary Seminar on 'Indian Society & Ideology of Disability'

List of participant in conference

Sr.no.	Participant Name	College Name	Email id	Mobile No.	Signa
1	Dr. Ambure S.D.	L.R.W.C. Sonpeth			[illegible]
2	Dr. ~~Baija~~ Kotule Bayaja	Vasundhara College, Ghatnandur	debmkotule@gmail.com	9420652970	[illegible]
3	Dr. Bhendekar N.S.	कला वाणिज्य महा. [illegible]	nivratibhendekar@gmail	9421041001	[illegible]
4	Dr. Barve A.P.	L.R.W.C. Sonpeth.	abarve5117@gmail.com	9968338762	[illegible]
5	Dr. Bais S.M.	Research Students	—	9420035799	Bais
6	Dr.Baheti Kanchan	प्रतिभा निकेतन महा. नांदेड	—	8999092820	[illegible]
7	Dr. Channele V.P.	महाराष्ट्र उदयगिरी महा, उदगीर जि.लातूर	—	9922717065	Chan
8	Dr. Choudhare Shweta	कला वाणिज्य एवं विज्ञान महा. [illegible]	choudhare@gmail.com	9828268987	[illegible]
9	Deshmukh S.Rafiq	—	antsadeshmukhs@gmail.	9403905830	[illegible]
10	Dr. Damare Mohan M.	M.P. College Palam Dist. Parbhani	mohandamare@gmail.com.	9423737955	[illegible]
11	Dahikamble S.D.	कै. बाबासाहेब देशमुख गोरठेकर महा. उमरी		9890716765	[illegible]
12	Dr. Ghodke A.A.	यशवंतराव चव्हाण महा. अंबाजोगाई			[illegible]
13	Dr.Ghungurwar Shekhar	कै. [illegible] महा. वसरणी नांदेड	—	9420911721	[illegible]
14	Dr. Gaikwad Suchita	वसुंधरा कला महाविद्यालय सोलापूर	suchitagaikwad@gmail.com	9860254358	[illegible]
15	Dr. Gaikwad U.T.	श्रीमती सुशीलादेवी दे. महा. लातूर		7020006569	[illegible]
16	Dr.Gade Vilas				[illegible]
17	Dr. Ingle S.P.	Shivaji College Omerga	inglesp77@gmail.com	9423718652	[illegible]

18	Dr. Joshi S.V.	V.M.S.T. College Osmanabad	svjoshi21@[illegible]	9403390269	[illegible]
19	Dr. Jadhav K.K.	P.A.H. College Ranisawargaon	kkjadhav07@gmail.com	9421051807	[illegible]
20	Dr. Jaybhaye V.K.	Late Ramesh warpudker College Son			[illegible]
21	Dr. Khade V.B.	[illegible]	vidyadatave@gmail.com	9405784135	[illegible]
22	Dr. Khule P.B.	वसंत महाविद्यालय केज जि. बीड		9022186005	[illegible]
23	Dr. Khedkar	Late Nitin College Pathri	khedekarmanoj72@gmail.com	9420964625	[illegible]
24	Dr. Kendre D.B.	[illegible]	omkandra81@gmail.com		[illegible]
25	Dr. Kamble J.S.	Dr. BA.M.U. A. bad.		7058924146	[illegible]
26	Dr. Kate L.M.	Shri Shivaji College [illegible]		9511224464	[illegible]
27	Dr. Koppolu Saideepti			8739075711	[illegible]
28	Dr. Kale B.M.	Late Ramesh warpudker college son			[illegible]
29	Dr. Kachave M.D.	Late. Ramesh warpudkar college	mkachave@gmail.com	9420035299	[illegible]
30	Dr.kamble Bharti	महिला महाविद्यालय [illegible]			[illegible]
31	Dr. Kulkarni V.B.	Late Ramesh warpudkar college			[illegible]
32	Dr. Kadam M.S.				[illegible]
33	Dr. Lahde M.A. Lahade	Janvikas college, Bansarola	dr.murlidharlahade@[illegible]	9421480398	[illegible]
34	Dr. Nimmi A.A.	[illegible] महिला महा. [illegible]		9747864786	[illegible]
35	Dr. Ovel K.S.	Solapur University [illegible]		8983190445	[illegible]
36	Dr. Pawar R.S.	Jaikranti College Latur	rajabhaupawar27@gmail.com	9890501747	[illegible]
37	Dr. Patil A.N.	[illegible] महाविद्यालय [illegible] जि. नांदेड	anpatil1974@gmail.com	9421377611	[illegible]
38	Dr.Pandav Govind	[illegible]	pandavgovind@gmail.com	9421277570	[illegible]
39	Parmar Bhavana H.	L.D. Arts College Ahmedabad			[illegible]
40	Dr. Patki Archana	Nutan Mahavidyalaya, Selu		9834213699	[illegible]
41	Raut Madhukar	M.J.F. Mahavidyalay Mukhed			[illegible]
42	Dr. Rajurkar B.B.	कै. [illegible] पाटील कला विज्ञान महा. हिंगोली	rajurkar.bb@gmail.com	7350025724	[illegible]
43	Dr. Somvanshi M.G.	L.R.W.C. Sonpeth Parbhani	muktag876@gmail.com	9420035779	[illegible]

44	Dr. Sonsale S.D.	L.R.W. Compt... Parbhani	drsdsonsale22@gmail.com	8379054025	
45	Dr.Shinde Malti	[illegible]		9421867650	
46	Dr. Tidke K.D.	Janvikas College Bansarola, Te. Kaij	tidkekd2012@gmail	9420194257	
47	Dr. Thorat S.K.	Dr. BAMU. Abad		09880 88-4359	
48	Dr. Tengse S.A.	Late. Ramesh Warpudkar College Son			
49	Dr. Uttamwar G.B.	Shri Siddheshwar Mahavidyalaya, Majalgaon		9623785477	
50	Dr.Upaydhya Nishi	[illegible]	nishupadhya09@gm	9717815792	
51	Varma Kirankumar				
52	Dr. Vikhar R.V.				
53	Dr. Wadchakar Shivaji A.	Late Ramesh Warpudkar College Son	sayalisawpnilwsa@gmail	8983848788	
54	Dr. Wagh S.G.	[illegible]		9880203878	
55	Dr. Wakankar G.B.	Late Ramesh Warpudkar College	gbwakankar@gmail.com.	9404391010	
56	Dr. Waichak V.V. Yayachal	V.N. Sr. College, Oswanabad	vvvinvay...@gmail.com	927000074	
57	Dr. Wadekar R.M.	Dr. B.A.M.U. Abad		9022561824	
58	Dr. Waghmare V.S.	Dr. B.A.M.U. Abad		7058924146	
59	Dr. Waghmare Satish	Dr. B.A. Arts & Com Coll Abad		9158064068	
60	Dr. Yeshwante Shobha J.	[illegible]		8600094933	
61	Dr. Sayed Shaukat A	[illegible]	drsyedshaukat72@gmail.com	9423471675	
62	Prof. Dnyaneshwar K. Mhatre	[illegible]	dkmhatre94@gmail.com	9422382156	
63	Miss. Bais Sunita Manoharrao				
64	Mr. Gaikwad U.T.	of S.S.D College, Latur			
65	Dr. R.D. Munde	Shri Sant Tukaram College			
66	Dr. Shinde R.M.	[illegible]	9	9422291515	
67	Dr. [illegible]	[illegible]			
68	डॉ. [illegible]	—			
69	प्रो. [illegible]	—			

70	Dr. Shinde P. R.	Shivaji College, Renapur		9423736134	[signature]
71	Dr. Zodge Rajaram	Nutan Mahavidyalaya, Selu	rajanzodge@gmail.com	9420786972	[signature]
72	Prof. Navneth B. Bade	Smt. P.D. Patil college of social work, Ahmadpur [illegible]	badenb22@gmail.com	9850130221	[signature]
73	Dr. Bang Narsingdas O.	P.A. Holkar Mahavidyalaya Ranisawargaon	narsingbang7@gmail.com	9423900517	[signature]
74	Dr. Revita B. Kawale	B. S. M. Basmath.	revita.kawale@gm[illegible]	8007926291	[signature]
75	Dr. Shaikh Reziya S.	— " —	—	—	[signature]
76	Dr Renuka More	Vasantrao College Nanded	—	—	[signature]
77	Prof. ARVIND R. JADHAV	Vinayak Ganesh Vaze College Mulund Mumbai 81	sarvindo11@gmail.com	9975232775	[signature]
78	Dr. Madhav Sukhashrao Patil	B. Raghunath college PBN	madhavpatil365@gmail.com	9421364801	[signature]
79	Dr. Shivaji Laxmanrao Vaidhya	"	vaidyashivaji.bnc@gmail.com	9420885738	[signature]
80	Dr. HANUMANT DATTU Shewale	Sharda College, Parbhani	shshewalehanumant309@gmail.		[signature]
81	Prof. Nikhil Vikas Bhosale	M. B. College, Latur		98818[illegible]	[signature]
82	Dr. V. R. Bhosale	S. P. P. M. Sirsala	bhosalevrrao@gmail.com	9881341124	[signature]
83	Dr. A. V. Kavande	S. P. P. M. Sirsala	drsavinash.kavande@gmail.	9421[illegible]	[signature]
84	Dr. Nirmala Jadhav.	Late. Kamaltai Jamkar mahila college Parbhani		7972616016	[signature]
85	[illegible]	[illegible]		8055301886	[signature]
86	[illegible]	[illegible]	.	-	[signature]
87					
88					
89					
90					
91					
92					
93					
94					
95					

PRINCIPAL
Late. Ramesh Warpudkar Arts, Commerce & Science College
Sonpeth Dist. Parbhani

Est. Sept 1994 2(f) & 12 (B): March 2006

Hanuman Shikshan Prasarak Mandal, Sonpeth's

LATE RAMESH WARPUDKAR ARTS, COMMERCE & SCIENCE COLLEGE, SONPETH. DIST. PARBHANI 431516 (MS)

NAAC Accredited with Grade- B

(Affiliated to: Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded)

Ph. (02453) 240 142 Fax. (02453)240 142 Principal: 09423 779 000

Web: www.warpudkarcollege.com Email:lrwcsonpeth@gmail.com

Shri. P.R. Kadam
President

Dr. V.D. Satpute
Principal

No.LRWCS/2018-19/ Date:20/06/2019

अंतर्विषयक राष्ट्रीय संगोष्टी

" भारतीय समाज और विकलांग विमर्श "

"Indian Society & Idedology of Disability."

प्रति,
मा. प्रधानाचार्य / विभागाध्यक्ष
.....
.....

विषय : एकदिवसीय अंतर्विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए आलेख भेजने हेतु .....

महोदय,

आपको सुचित करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है की हमारा महाविद्यालय 25वी वर्षगाँठ मना रहा है। महाविद्यालय के 25 वी वर्ष गाँठ के अवसरपर महाविद्यालय और Indian Council of Social Science Research Mumbai के तत्वावधान में हम सितम्बर 2019 के प्रथम सप्ताह में 'भारतीय समाज और विकलांग विमर्श' पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कर रहे है। जिसमें विभिन्न निर्धारित विषयों के आलेख आमंत्रित है। मुख्य विषय और निम्न विषयपर मौलिक आलेख भेजे जा सकते है। स्तरीय आलेखोंका प्रकाशन UGC Approved Journal With Impact Factor अथवा Peer Reviewed Journal के शोध पत्रिका में प्रकाशित किये जाऐंगे !

उपविषय :-

१. विकलांगो के प्रकार
२. विकलांगता एवंम उपराध
३. विकलांगता एवं प्रजातंत्र
४. विकलांगो का पुर्नवास
५. विकलांगोकी सामाजिक स्वीकार्यता
६. विकलांगो में तकनीकी योगदान
७. विकलांगो मे सेवा संस्थानो की भूमिका
८. विकलांगता चिकित्सा एवं उपचार
९. विकलांगता और मनोविज्ञान
१०. विकलांगता एवं आत्मविश्वास
11. विकलांगता और कविता
12. विकलांगता, कथासाहित्य / उपन्याय / सिनेमा / नाटक ?
13. विकलांगता और सामाजिकता
14. विकलांग और कर्मचारियोंकी समस्या?
15. विकलांगता राजनिती एवं प्रशासन, कानुन योजनाएँ
16.विकलांगता एवं आरक्षण
17. विकलांग शिक्षण, कला, सांस्कृती, खेलकुद, युवाकार्य योजना?
18. विकलांगो मानसिकता

1) आलेख की शब्द मर्यादा 2000 से 3000 तक होगी
2) आलेख Sonpethhindi2019@gmail.com पर भेजे
3) पंजीकरण शुल्क अध्यापकोंके लिए 800 रू शोधछात्र 400 रू विकलांग को पंजीकरण शुल्क भेजना जरूरी नही है!
4) पंजीकरण शुल्क प्रा.डॉ. वडचकर एस.ए. के महाराष्ट्र ग्रामीण बँक सोनपेठ, IFSC Code MAHG0004260 A/C No. 54260028074 अथवा प्रा.डॉ. कुलकर्णी व्ही.बी. A/C 54260027944 पर भेजे. आलेख पंजीकरण की रशीद Whatsapp पर भेजे.
5) आलेख भेजने की अंतिम तिथी 20 अगस्त 2019, शोधपत्र सर्वथा मौलिक, अप्रकाशित एवं विषय से सम्बधित होना चाहिए ! आलेख MS-WORD में हिन्दी / मराठी के लिए DVBT-TT-SUREKH FONT SIZE 14 और अंग्रेजी के लिए Times New Roman Font Size 12.

सहसमन्वयक	सहसमन्वयक	समन्वयक	प्राचार्य
प्रा.डॉ.जाधव ए.के.	प्रा.डॉ.कुलकर्णी व्ही.बी	प्रा.डॉ.वडचकर एस.ए.	डॉ.वसंत सातपुते
लोकप्रशासन	हिन्दी विभाग प्रमुख	हिन्दी विभाग	कै.र.य.म.सोनपेठ
९४२१०७८४०१	९४२३१३८८७८	८९८३८४८७८८	

PRINCIPAL
Late. Ramesh Warpudkar Arts,
Commerce & Science College
Sonpeth Dist. Parbhani

ICSSR, Sponsored One Day National Level Interdisciplinary Seminar

on

'Indian Society & Ideology of Disability'

Tentative Schedule of the Seminar 5th Oct 2019 (Saturday)

Inauguration Function (10.30 AM to 11.40 PM)

Inaugurator: Hon. Dr.Uddhav V. Bhosle

(Vice Chancellor, S.R.T.M.University, Nanded)

Chairperson: Shri Vyankatraoji Anandrao Kadam

(Former MLA & President, RSPM, Sonpeth)

Presence: Shri. Parmeshwarraoji Kadam (President HSPM Sonpeth)

Dr. Satpute V. D. (Principal,L.R.W.C.Sonpeth)

Keynote Address (11.45 am – 1.15 pm)

Key Note Speaker: Dr. Mahendrakumar Thakurdas

(Reknowned Writer, and Ex-HoD, Art's,Commerce and Science College, Kille Dharur)

Chairperson:- Dr.Satish Yadav (HoD,Shivaji College, Renapur)

Lunch break (1.15 to 2.15 PM)

Session I (2.15 PM to 3.15)

Indian Society and Disability

Chairperson:- Dr.Satish Yadav (HoD,Shivaji College, Renapur)

Resource Person: Dr. Sujitsingh Parihar (Dnyanopasak College,Jintur)

Session II (3.15 PM to 4.15)

Literature and Disability

Chairperson:- Dr.Prakash Khule (Vasant Mahavidyalaya,Kej)

Resource Person:- Dr. Revita Kawale (Bahirji Smarak Mahavidyalaya, Vasmat)

Valedictory Function (4.30 PM)

Chief Guests: Dr. Jogendrasingh Bisen (Pro- Vice Chancellor, S.R.T.M.University, Nanded)

Chairperson: Shri. Parmeshwarraoji Kadam (President HSPM Sonpeth)

Presence:- Dr. Satish Arbad (Member, HSPM Sonpeth)

Dr. Satpute V.D. (Principal,L.R.W.C.Sonpeth)

Mrs. Jyoti Tai Kadam (vice- President HSPM Sonpeth)

PRINCIPAL
Late Ramesh Warpudkar Arts,
Commerce & Science College
Sonpeth Dist. Parbhani